Answer-no- 1

विद्युत आपूर्ति प्रणाली :- वोल्टता के आधार पर वितरण प्रणालीयो को अग्र दो भागों अर्थात् वर्गों में विभाजित किया जा सकता है।

(i) प्राथमिक आपूर्ति प्रणाली :- से वैद्युत शक्ति को प्राय! 33 किलोवाट से 400 किलोवाट तक की वोल्टता पर संचरण लाइनों द्वारा विभिन्न स्थानों पर स्थापित उपकेन्द्रों तक पहुचाया जाता है। उपकेन्द्रों पर इन वोल्टताओं को स्टेप डाउन ट्रांसफार्मर की सहायता से 1.1 किलो वोल्ट से 11 किलो वोल्ट तक की वोल्टता में परिवर्तित किया जाता है।

(ii) द्वितिय आपूर्ति प्रणाली - पर प्राप्त उच्च वितरण वोल्टता को पुन: स्टेप डाउन ट्रांसफार्मर द्वारा 415 वोल्टता की वोल्टता में परिवर्तित किया जाता है इन लघु वैद्युत उपकेन्द्रों से वैद्युत शक्ति को बहुत से निम्न वोल्टता वाले वितरकों द्वारा उपभोक्ताओं तक पहुचाया जाता है।

ऊर्जा प्रबंधन :- ऊर्जा प्रबंधन प्रक्रिया के अन्तर्गत उन ऊर्जा संसाधनों को, जो कि न्यूनतम वृद्धिशीलता लागत वाले हैं कुशलता-पूर्वक उपयोग करने के उपाय आते हैं